

प्रा. डॉ. जाधव मोहन पंडलिक

एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.

अधिव्याख्याता, हिंदी विभाग,

छत्रपति शिवाजी कॉलेज, सातारा

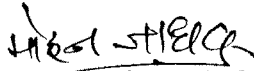
तथा

स्नातकोत्तर अध्यापक एवं शोध निर्देशक

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सुश्री देसाई आशादेवी विलासराव ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम. फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए “अलका सरावगी के उपन्यासों में प्रतिबिंबित नारी जीवन” लघु शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिश्रम के साथ पूरा किया है। जो तथ्य इस लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए गए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। प्रस्तुत शोध-कार्य के बारे में मैं पूरी तरह से संतुष्ट होकर ही इसे परीक्षणार्थ प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करता हूँ। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी भी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।

शोध-निर्देशक

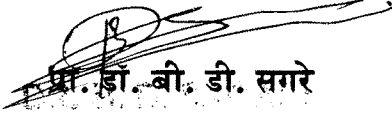

(डॉ. जाधव मोहन पंडलिक)

स्थान : सातारा

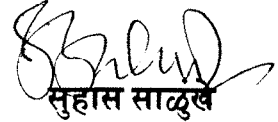
तिथि : 25 फरवरी 2009

अनुशंसा

हम अनुशंसा करते हैं कि, सुश्री देसाई आशादेवी विलासराव का एम्. फिल्. (हिन्दी) का लघु-शोध-प्रबंध “अलका सरावगी के उपन्यासों में प्रतिबिंबित नारी जीवन” परिक्षणार्थ प्रस्तुत किया जाए।


प्रो. डॉ. बी. डी. सगरे
L.B.S. College, SATARA




सुहास साळुखे
प्रचार्य
लाक बहादुर शास्त्री महाविद्यालय,
सातारा

स्थान : सातारा

तिथि : 25 फरवरी 2009

(दो)

प्रख्यापन

मैं प्रख्यापित करती हूँ कि “अलका सरावगी के उपन्यासों में प्रतिबिंबित नारी जीवन” लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम. फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी भी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।

शोध-छात्रा



(सुश्री. देसाई आशादेवी विलासराव)

स्थान : सातारा

तिथि : 25 फरवरी 2009